

# इसरो के चेयरमैन किरण कुमार ने कहा- शिक्षा का सही उपयोग करें डिग्रियां पाकर खिले चेहरे



इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

आईआईटी इंदौर की पांचवीं कंवोकेशन सेरेमनी के दौरान शनिवार को बीटेक और एमटेक स्टूडेंट्स को डिग्रियां प्रदान की गई। इस साल प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल बीटेक कंप्यूटर साइंस ब्रांच के केतन चवरे उदय को दिया गया। वहीं सिल्वर मेडल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के रितेश मोदी, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के ऐश्वर्य गंगारानी और मेकेनिकल इंजीनियरिंग के विवेक खोकर को दिया गया। विजय चोयल को सिल्वर मेडल एमएससी/एमटेक में मिला।

शिक्षा के क्षेत्र में काम करना लक्ष्य कंपनियों के प्री प्लेसमेंट ऑफर ठुकरा चुके गोल्ड मेडल प्राप्त केतन चवरे हायर स्टडीज करने के साथ बच्चों को पढ़ा भी रहे हैं। शुरू से ही हर सेमेस्टर में टॉप करने वाले केतन ने अपनी पढ़ाई के दौरान कभी कोई कोचिंग नहीं ली। उन्होंने सेल्फ स्टडी से ही यह मुकाम हासिल किया। केतन ने कहा मैं मानता हूं कि

**आईआईटी के कंवोकेशन में बीटेक, एमटेक स्टूडेंट्स को मिली डिग्रियां**

मेरी आईआईटी की शिक्षा का बेहतर उपयोग बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर ही हो सकता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इसरो के चेयरमैन एसएस किरण कुमार ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह आपके प्रगतिपथ की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ज्ञान ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है और वो आपको शिक्षा से मिलती है। इसलिए अपनी इस ताकत का सही तरीके से सही जगह उपयोग करें। सीखने के तरीके सबके अलग-अलग हो सकते हैं। कोई किताब पढ़कर सीखता है, कोई लोगों को देखकर सीखता है। हर तरीके के अपने फायदे और नुकसान हैं, लेकिन एक बात ध्यान रखने की है कि सीखना जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है।

ग्रीन टेक्नोलॉजी अपनाएं पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किरण कुमार ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, ओवरलूड्डेड प्रदूषण के चलते मौसम में लगातार परिवर्तन हो रहा है, जिसे हर हाल में रोकना होगा। आज जरूरत है

ग्रीन टेक्नोलॉजी को अपनाने की, जिससे पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ को रोक जा सके। आज हम कम समय में लाभ कमाने के चक्कर में पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं। प्रकृति के महत्व को आप जैसे तकनीकी शिक्षा प्राप्त लोगों को समझना जरूरी है जिससे ऐसी मशीनें तैयार की जाएं जो प्रकृति के स्वभाव के विपरीत न हों।

उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में सबसे बड़ा योगदान युवाओं का है इसलिए हमें युवाओं को स्किल्ड और नॉलेजेबल बनाना होगा, तभी हम बेहतर भविष्य की कल्पना कर पाएंगे। ब्रेन ड्रेन पर बात करते हुए कुमार ने कहा कि हम सब अमेरिका के विकास की तारीफ करते हैं, लेकिन उसमें हमारे देश के तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं का जो योगदान है उसे नहीं देखते। अपना पसीना बहाकर हम दूसरे देशों के लिए काम कर रहे हैं। आप जैसे आईआईटी पास लोगों की देश को जरूरत है इसलिए अपनी व्यक्तिगत प्रगति के साथ मानवता के लिए भी काम करें। भारत में अपार संभावनाएं हैं बस जरूरत है आप जैसे लोगों की जो उनका सही उपयोग कर देश का नाम रोशन कर सकें।